



शार

ॐ श्री ग ने सा य न मोः श्या स र ग्या निः स क स क था नी ग^न प
ति व श्रा वि क्तः म के स री प्र वी ते लः रि श दे वः ज श
क दः सा इ य दः श्रु थ वे दंः नि र कं थं मा रि का से
त व न लां मे स्वरः ग मा ग जा ध तः प्रि था ग मा ध वः का
सी वी से स्वरः वे नि मा ध वः क रि ण रेः सं स ङा रे द

त पा दु काः क पि सि ला मु नीः व दि रा तः था कु र ङा रेः वे
रं ना थः ज गं ना थः के गु श ज मा न स रि व नः श्रु ध्या म थु
लाः गु कुर कु ल हे तः दु क्त अ व य सां व पं व पु रु रीः द्या म का
मु तु भ ग व तिः ॐ दु भ वा निः व दे स्वरिः श्रु व ना ग व तीः
ज य ल ह्री मि दे वीः ग ग गा त्र मु ना दे विः स ल सु तीः ती सु

गंगाः भागलातीः कुरुमती मनमतीः संखमोरः वक्रवतीतिथ्य
माताहीथः ॐ दायनी देवीः जोतीगेः खलभैरविगनाराय
निः गुरखनाथः मनका मनाथः उत ववस्यवः अथ ते स्वर
कुरकु ते स्वरः मनमे स्वरः डो रे स्वरः क्य स्वरः हं ते स्वरः जते
स्वरः ल ते स्वरः धीत्य स्वरः का त्य स्वरः भाल्य स्वरः रात

क्य स्वरः फु त क्य स्वरः रतारंगे स्वरः ॥ वृद्धा निर कथे स्वरः वा
रा नी र नी ल कथे स्वरः ॥ जब कन्य स्वरः ॥ कागे स्वरः क रास्य
स्वरः वत की द्वे स्वरः ॥ नाथे स्वरः गता मात्य य नी स्वरः ॥ मा ला
धा ते स्वरः ॥ दे व द्या टे स्वरः ॥ गुरा गुरि मि र थ रि गु थ स्वरः ॥
॥ भा त दे वी फुर यो की ती नी वय निः ॥ अ त रीगे स्वरः ॥

वंध्यस्वरीः स्वजे मृगुती ना थंः गव भरा ती स्वतः वंध्यस्वरः
लाम्यस्वतः गोपालस्वरः वोभास्वरः आतेस्वरः कृत्यस्वरः
कृत्यस्वरः लाम्यः मृगुति स्वतः वान्यस्वरः किंतेस्वतः
कात्यस्वतः जाग्यस्वरः वात्यस्वतः दोत्यस्वतः वायस्वरः
धन्यस्वतः गकुरेस्वरः दुजेस्वरः वि कंत्यस्वरः भीम्य

स्वरः काप्यस्वरः मनीष्यस्वरः वंदेस्वतः अ
सांपुरिसी न युलीः तन्यश्च वा निः त्यति को ती दे विः
संसा दे विः व्रज बालादि दे वि भावा नि म्र नृपु नापु
ना दे वीः वृनि दे वीः व्रज जो णि निः व्रज जो णि नी
शरध ना लायन वि सीरु ना रायनः सिकु नारायन

ॐ वं गु ना रा य नः॥ मु गु ति ना थः सि वु ना थ म
 स्त्री द्रु ना थः वा ग भै र वः॥ त्या ग भै ल वः प न
 वारि भै र वः म ति कृ ह ल वः प सु प ति न व०
 ग द त्प ति स को ती दे व ता र्दः य क र्द दे व ता ॐ ॐ
 ति व्र त मा रा सं पु नः सु भू ॥॥ प ति ११॥ ५॥ 

२७ न म श्री श्री भ वा न्य न म॥ न ता तो न मा त न
 कं थ न दा ता॥ न पु त्र न पु त्री॥ न मृ भू तो न हृ मृ ती
 न जा या न व त्ती न प मे व॥ ग ते तं गा त्ति तं मे का भ वानि॥
 ॥१॥ न जा ना मि दा नः॥ न व ध्या य मा न॥ न जा ना मि मृः
 न व क्तु त्ज वः॥ न जा ना मि पृ जा ॥॥ न सं द्या स ये गं॥ ग

ह ग ग ह ह दु मे का भ वा नि ॥ २ ॥ भ वा हा व पा ले मा द्र द्र ख भै
लो ॥ प्र या तं : प्र का मा प्र लो भां प्र म भ : कु मा या : कु ल शी
प्र व ध स दा हं भ वा नी ॥ ग ग ह ह ग ग ह ह ह तु मे का भ वा नि
॥ ३ ॥ न जा ना मी यु न्य न जा ना मि त्री थं : न जा ना मि मृ क्वा
ल यं वा पी मे तं दा : न जा ना मि ह ग कृ वृ तं वा पी मा ल :

ग ते ह ग ह ह वी तं मे का भ वा नी ॥ ४ ॥ यु जे सं ल मे
मे सं ह ते सं म दे सं : ग न्य सं दि न्य सं नि ष्ठ भं व न वा ॥
न जा ना मि वा न्य स दा हं भ वा नि ग ते हं ग ग ह ह त मे का भ
भ वा नि ॥ ५ ॥ कृ कृ म् कृ सं ग कृ वृ धी कृ दा स दा हं भ वा नी
॥ ग ग ह ह ग ग ह ह ह तु मे का भ वा नी ॥ ६ ॥ वि वा दे वि वा दे वा

प्रमा १ दे प्रमा से ज लेवा न ते प्र व ते ॥ सु म ध्ये ॥ अलन्य
म सं न्यः सदा कं भवानि गटि तंग गि तं तु मे का भवानी ॥ १॥
अनाथ थो दाली डो ज ला रेग ॥ यू को म क का की न डी ॥
स दा ज्ञा ग ॥ व कं ॥ वी प भी प्र वि सु सदा क भवा ग टि तंग ठी

वं दु का भवानी ॥ ८ ॥ य ह ह य ली न क्रा सो उ मे ल सु म
ग्रं स स भः स व ॥ स त दु यो मान की यो न या ना ॥ व दु
कु वं ज न ह का दु कु ल गी क किं दु स कर ल व न मा ता ॥
हा कि मा भो नु म फा ॥ ८ ॥ ॐ ति श्री स कृ ता या य वर य ती भ
व नी दे व्या सो रु स मा य त सु भ ॥ १२२ ॥



1291



Handwritten text in Devanagari script, likely a library or archival record. The text is written on a piece of aged, yellowed paper that is slightly torn at the edges. The script is in black ink and appears to be a mix of characters, possibly including dates and names. The text is arranged in two lines, with the first line being longer and more complex than the second. The overall appearance is that of an old, weathered document.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १२ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १५ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १६ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १७ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १८ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १९ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २० ॥

— 1175 —

५३४५६७८९

55 अतः ३१८८५

[illegible]

५३ ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

मन्त्र ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

12 11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is arranged in approximately 15 horizontal lines, written from right to left. The script is cursive and somewhat faded, characteristic of older handwritten documents. The lines contain various characters, including letters and numbers, suggesting a record-keeping or administrative purpose. The paper is aged and shows signs of wear, including discoloration and some staining.

1.231

ASTRA ARCHIVES

— 615 —

3 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॥ कृष्णाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥